Regarding establishment of Cow Sanctuaries- Laid

श्री अरुण गोविल **(**मेरठ**) :** मैं सरकार का ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय ?गोवंश संरक्षण? की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था, संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जुड़ा है । देश के लगभग 8 करोड़ परिवार आज भी पशुपालन पर निर्भर हैं । गोवंश हमारी कृषि प्रणाली, ग्रामीण आजीविका और पोषण का प्रमुख आधार है । वर्तमान में निराश्रित एवं अनुपयोगी माने जाने वाले गोवंश की संख्या बढ़ रही है, जिससे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं । अतः मेरा सुझाव है कि प्रत्येक मंडल स्तर पर गौ संरक्षण केंद्र (Cow Sanctuary) की स्थापना की जाए । इन केंद्रों से न केवल निराश्रित गोवंश को आश्रय मिलेगा, बल्कि स्वदेशी नस्लों का संरक्षण, गोबर-गोमूत्र आधारित जैविक खेती को बढ़ावा, और ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे । इनके संचालन हेतु भूमि चिह्ननांकन, राज्य सरकारों का सहयोग, केंद्र से वित्तीय सहायता, पशु चिकित्सकों की नियुक्ति तथा जन-जागरूकता अभियान आवश्यक होंगे । साथ ही इन्हें प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे पशुधन और ग्रामीण उद्यमिता को बल मिलेगा । यह पहल न केवल गोवंश संरक्षण को सशक्त बनाएगी, बल्कि गाँवों में समृद्धि और सांस्कृतिक चेतना भी सुनिश्चित करेगी ।